

प्राणोंके प्यारे जीअ के जियारे ।

सोओ मेरे लाड़ले नंद के दुलारे ॥

आउ मेरे लालन की नींद नवेली तोहि बुलावे श्यामु सुन्दरु सहेली
निज गोदी में सुलाओ मेरे नैननि के तारे ॥१॥

दूध फैन जैसी सेज सुन्दर है तेरी सुखनि समोई आवे नींद रस घेरी
जुग जुग जीओ मेरे आंगन उज्यारे ॥२॥

मेरी नेह निधि सुख सिधि मेरा लाल मेरी आश सुर तरु मदन गोपाल
मेरी पुण्य वलिड़ी के फल सुकुमारे ॥३॥

लाल तेरे जन्म से धन्य मेरा कोटि चंद्र से भी प्यारा चन्द्र मुख तेरा
अमर पद से भी ऊंचे भाग्य हैं हमारे ॥४॥

दशन दमक तेरी मोतियों की लड़ी आ मृदु मुस्कान तेरी अमृत की झड़ी आ
जीवन के सार मीठे बोल हैं तुम्हारे ॥५॥

मीठी नींद कर जागें कुंअर कन्हाई नैननि में आलस ओ मुख में जम्हाई
नई झांकी देख मातु तन मन वारे ॥६॥